RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : रविवार 14 अप्रैल 2024 | वर्ष 05 | अंक 353 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
®
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

भायंदर में आर्थिक कलह के कारण दम्पति ने की आत्महत्या

भायंदर: भायंदर पूर्व के नवघर इलाके में एक जोड़े द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटना घटी. दंपति के दो छोटे बच्चे हैं और वह अब अनाथ है, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया है। पंकज जांगिड़ अपने परिवार के साथ नवघर गांव के गावदेवी चाल में रहता था. उनकी एक आठ साल की बेटी और दो साल का बेटा है। बुधवार (10 तारीख) की सुबह पंकज और उनकी पत्नी नीतू दोनों रसोई के छत के पंखे से लटके हुए पाए गए। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है. पंकज फर्नीचर बनाने का काम करता था। मुंबई में चल रहे काम के लिए उसने कर्ज लिया था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक पैसा नहीं मिलने से वह परेशान था। पुलिस ने संभावना जताई है कि इसी वजह से पति-पत्नी ने आत्महत्या का कदम उठाया होगा. जगिंद दंपत्ति के शवों को राजस्थान स्थित उनके पैतृक गांव ले जाया गया।

बारामती बचाने पवार ने छोड़ी पुश्तैनी दुश्मनी
काकड़े परिवार से की मुलाकात...

मुंबई: पवार परिवार के गढ़ बारामती में लोकसभा चुनाव आर-पार के दौर में पहुंच गया है। बेटी की खातिर शरद पवार अपने 55 साल पुराने प्रतिद्वंद्वी के काकड़े परिवार के दरवाजे पर शुक्रवार को दस्तक दी। बारामती में शरद पवार की पुत्री व मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार चुनाव मैदान में हैं। ननद भौजाई भले ही एक दूसरे के सामने हैं, परंतु यहां अब सीधे तौर पर चाचा-भतीजे के बीच वर्चस्व की लड़ाई बन चुकी है।

अपनी साख बचाने के लिए 84 साल के शरद पवार खुद मैदान में उतर गए हैं। अब वे दशकों पुरानी दुश्मनी को दोस्ती में बदलने का कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे संभाजीराव काकड़े और बाबालाल काकड़े के परिवारों से मुलाकात की है। शरद पवार मुंबई फेडरेशन के उपाध्यक्ष शामराव काकड़े के आवास पर गए। पूर्व सांसद संभाजी काकड़े की पत्नी कंथावती काकड़े का हाल ही में निधन हो गया था। बताया गया कि 55 साल बाद पवार काकड़े परिवार से मुलाकात करने पहुंचे।

काकड़े परिवार से पुराना संघर्ष

शरद पवार और काकड़े परिवार के बीच संघर्ष काफी पुराना है। काकड़े ने कई बार पवार के खिलाफ सांसद और विधायक का चुनाव लड़ा। बारामती और आसपास के इलाकों में काकड़े परिवार का भी ठीक ठाक प्रभाव रहा है। उधर, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पिछले पांच साल से काकड़े परिवार से सुलह कर ली है। उन्होंने सोमेश्वर सहकारी चीनी फैक्ट्री के निदेशक के रूप में शेतकरी समिति के नेता सतीश काकड़े के बेटे अभिजीत काकड़े को मौका दिया है। दूसरी ओर शरद पवार भी काकड़े परिवार के साथ सुलह की कोशिश में हैं। शरद पवार बारामती के कुछ पुराने परिवारों से मिल कर बेटी के लिए समर्थन मांग रहे हैं।

16 वर्षीय लड़की को बेरहमी से पीटा, नग्न वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित, 4 पर मामला दर्ज

पुणे : पुणे के डेक्कन इलाके में एक चौंकाने वाली घटना में, एक 16 वर्षीय स्कूली छात्र के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उसका नग्न वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। पुलिस ने घटना के संबंध में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीड़िता की मां ने डेक्कन पुलिस स्टेशन में आंसू शर्मा (19, मंडई निवासी) और तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। कथित तौर पर, हमले से पहले शर्मा और पीड़ित के बीच बहस हुई। कथित तौर पर पीड़ित पर उसके खिलाफ हमला कराने का संदेह करते हुए, शर्मा और उसके सहयोगी पीड़ित को डेक्कन क्षेत्र में नदी के किनारे ले गए, जहां उस पर क्रूर हमला किया गया। इसके बाद पीड़िता को नग्न करने के लिए मजबूर किया गया और बाद में वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया। बताया गया है कि आरोपी ने पीड़ित को पुलिस में शिकायत दर्ज न करने की धमकी दी और ऐसा करने पर अपने समुदाय समूह के भीतर सार्वजनिक अपमान की चेतावनी दी। फिलहाल, आरोपी फरार हैं और डेक्कन पुलिस सक्रियता से उनकी तलाश कर रही है।

मर्चेंट नेवी में नौकरी के नाम पर करते थे ठगी, बुजुर्ग से ऐंठे 7 लाख, मुंबई में पिता-पुत्र के खिलाफ FIR

मुंबई: मर्चेंट नेवी में नौकरी का लालच देकर 77 वर्षीय एक बुजुर्ग से कथित तौर पर 7.5 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। घटना डोंगरी की ही। इस मामले में डोंगरी पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिता पुत्र के नाम परवेज हमीद खान और फरहान परवेज खान हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता बुजुर्ग अपने परिवार के साथ डोंगरी में रहते हैं। पीड़ित का बेटा करीब 16 सालों तक (2002 से 2018 तक) मर्चेंट नेवी में नौकरी की। लेकिन,2018 में उन्होंने नौकरी छोड़ अपना खुद का कारोबार शुरू कर दिया। हालांकि, इस धंधे में उसे असफलता हाथ लगी जिसके बाद वह दोबारा मर्चेंट नेवी में नौकरी के लिए हाथ पैर मारने लगे। आरोप है की इस दौरान पीड़ित के बेटे का परिचय परवेज और उसके बेटे फरहान से हुआ। दोनों ने पीड़ित के से कहा कि उसके बेटे को वह मर्चेंट नेवी में डेक ऑफिसर के पद पर नौकरी दिला सकता है। पीड़ित के मुताबिक, सामने वाले पर भरोसा करते हुए उन्होंने बेटे का शैक्षणिक और निजी दस्तावेज, सीडीसी, पासपोर्ट और बेसिक कोर्स सर्टिफिकेट उपलब्ध करा दिए।

पत्नी का गला काटकर पति ने की आत्महत्या!
9 महीने की मासूम को भी नहीं बख्शा...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के जलगांव में एक पति ने अपनी पत्नी और 9 महीने की बेटी पर जानलेवा हमला करके मार डाला. फिर बाद में खुद भी आत्महत्या कर ली. वह पत्नी के मायके जाने से नाराज था. इसी के चलते उसने इस हत्याकांड को अंजाम देकर खुदकुशी कर ली. पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, विशाल झांके नामक युवक की शादी जामनेर तालुका के देउलगांव गुजरी की प्रतिभा से हुई थी. विशाल पत्नी के साथ मलकापुर तालुक के दुधालगांव में रहता था. शादी के एक साल बाद दोनों को एक बेटी हुई. सब कुछ सही चल रहा था. कुछ दिन पहले विशाल और प्रतिभा के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई. जिसके बाद प्रतिभा अपनी 9 महीने की बेटी दिव्या को लेकर मायके चली गई.

विशाल को लगा कि वो वापस आ जाएगी. लेकिन प्रतिभा जब घर नहीं लौटी तो विशाल ने उसे फोन करके वापस बुलाया. लेकिन प्रतिभा ने वापस आने से साफ इनकार कर दिया. जिसके बाद विशाल गुस्से में अपने ससुराल जा पहुंचा. यहां भी उसकी पत्नी प्रतिभा से लड़ाई हो गई. उस समय तो वापस घर लौट आया. लेकिन शुक्रवार को वह फिर से अपने ससुराल गया. उस समय वहां सिर्फ प्रतिभा और दिव्या ही थीं. प्रतिभा से विशाल की बहस फिर शुरू हुई. जिसके बाद विशाल ने धारधार हथियार से प्रतिभा के गले पर जोरदार वार किया. इससे प्रतिभा के गले से खून बहने लगा और वह गिर पड़ी. फिर उसकी मौत हो गई. विशाल का गुस्सा तब भी शांत नहीं हुआ तो उसने पलंग पर सोई 9 महीने की मासूम दिव्या का भी गला काटकर उसे मार डाला. फिर वहां से फरार हो गया.

थोड़ी देर बाद विशाल के ससुर घर लौटे तो अंदर का मंजर देख उनकी चीख निकल गई. तुरंत पुलिस को फोन किया गया. उन्होंने विशाल के बारे में पुलिस को बताया कि वो पहले भी उनके घर आया था और लड़-झगड़कर यहां से गया था. पुलिस ने पहले तो प्रतिभा और दिव्या के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. फिर विशाल की तलाश शुरू की. जैसे ही पुलिस के विशाल के घर पहुंची तो देखा कि वह घर में मृत पड़ा है. विशाल ने सुसाइड कर लिया था.

बारिश में अंधेरी सबवे को डूबने से बचाने के लिए बीएमसी 6 मीटर चौड़ा और 2.5 मीटर गहरा बनाएगी नाला

मुंबई: बारिश में बीएमसी के लिए परेशानी का सबब बन रहा अंधेरी सबसे को डूबने से बचाने के लिए बीएमसी नाला बनाएगी। अंधेरी सबवे के पास रेलवे लाइन के नीचे 6 मीटर चौड़ा और 2.5 मीटर गहरा यह नाला बनाया जाएगा। बीएमसी जून में नाला बनाने का टेंडर जारी करेगी, जबकि अक्टूबर से काम शुरू होगा। इस नाले को बनाने में तीन साल का समय लगेगा। यानी अगले तीन साल तक अंधेरी वालों को सबवे में बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

कब तक अंधेरी सबवे होगा बाढ़ मुक्त

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि रेलवे लाइन के नीचे ड्रिल करने के लिए काफी कम समय लगेगा। नाले के लिए टनल बनाने पड़ेंगे। इसके लिए भी रेलवे से ब्लॉक लेना पड़ेगा। इन सब कामों में ज्यादा समय लगेगा, इसलिए पूरे नाले के निर्माण में लगभग 3 साल का समय लगेगा। उसके बाद अंधेरी सबवे बाढ़ मुक्त हो जाएगा।

पिछले साल अंधेरी सबवे 21 बार बंद हुआ था

दरअसल पिछले साल बारिश के दौरान पानी भरने से अंधेरी सबवे 21 बार बंद हुआ था। यहां हर साल पानी भरने की समस्या पैदा होती है। जिसके कारण वाहनों के आवागमन को बंद किया जाता है। अंधेरी सबवे को बाढ़ मुक्त करने के लिए बीएमसी इस साल भी मोगरा नाले के चौड़ीकरण का काम नहीं कर पाई है। अंधेरी पश्चिम, जोगेश्वरी और वसोर्वा इलाकों में पानी जमा न हो, इसके लिए बीएमसी ने मोगरा नाले को चौड़ा करने और उसकी वहन क्षमता बढ़ाने का फैसला किया था। लेकिन अंधेरी में गोखले फ्लाइओवर का काम पूरा न होने की वजह से नाले का चौड़ीकरण का काम लटक गया है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बनाम छोटा पप्पू

मंडी संसदीय क्षेत्र ने अचानक सारे राष्ट्र की निगाहें हिमाचल की ओर मुखातिब की हैं। मानना पड़ेगा कि यह सब वहां से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत की वजह से कहीं ज्यादा हो रहा है। चुनावी फलक के दूसरे छोर पर वीरभद्र सिंह परिवार का पारंपरिक दुर्ग और उनकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकार खड़ा है। बात कहां से चली और कहां तक पहुंचेगी, लेकिन आरंभिक जोश से ही मालूम पड़ता है कि मंडी चुनाव में जाहिर मंतव्य किसी भी हद तक जहरीला और व्यक्तिगत आक्षेपों में माहिर होना चाहता है। यहां कंगना की पृष्ठभूमि, ग्लैमर और बेबाकी के सामने विक्रमादित्य सिंह की राजनीतिक समझ, वाकपुटता और सत्ता में भागीदारी खड़ी है। कंगना का प्रचारतंत्र देश के लिए और देश के सामने, भाजपा का अभ्यास वर्ग है, इसलिए जरूरी नहीं कि वह हिमाचली मुद्दों की बिसात तक ही रहे। इसलिए वह सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय बहस की पात्र बनी रहना चाहती है और मुकाबले के हर पहलू में मंडी के स्वाभिमान और पहाड़ की बेटी होने का मर्म जाग्रत करती है। इस तरह वह न तो अधकचरी और न ही आसान हस्ती हैं। विवाद उनका गहना और चचाएँ उनका पोशाक है। हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरी बार हो रहा है जब कोई सियासी शख्सियत अपनी गैर मौजूदगी में भी चचाओं से दूर नहीं। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को जब प्रदेश की राजनीति से दूर केंद्रीय मंत्री के दायित्व में सीमित करने के जोरदार प्रयास हो रहे थे, तब भी वह हिमाचल की हर बहस के प्रमुख पात्र थे। हिमाचल के प्रवेशद्वारों यानी सोलन व ऊना जिलों में वह बयान दाग कर विपक्ष को तब तक चर्चा का मौका देते थे, जब तक वह दिल्ली नहीं लौट जाते। उनकी शब्दावली से निकले रौंदू या मकड़झंडू जैसे शब्दों की व्याख्या आज भी विरोधियों के सिर में खुजली करती है, जबकि उनकी हाजिरजवाबी का अंदाज आजकल के नेताओं में ढूंढे नहीं मिलता।

ऐसे में कंगना का राजनीतिक अवतार पुनः बहस के कटोरे में कई खड्डों का पानी भर रहा है। सवाल यह है कि हिमाचल की जनता को अब इस स्तर की बहस में मजा आने लगा है। क्या वह नारी होने के कारण विरोधियों पर भारी होने जा रही है। क्या उसे राष्ट्रीय बहस में हिमाचल के मुद्दे गौण करने से लाभ होगा या कांग्रेस की लंका जलाते हुए अपने हाथ जलाने चाहिएं। जो भी हो, मनाली में उसके निशाने अगर बड़े पप्पू बनाम छोटे पप्पू को खोज रहे हैं, तो यह नई राजनीति का पहला संदेश भी है। इस दौर की आक्रामकता की पेशगी में कंगना बता चुकी है कि वह अपनी तरह की बिसात पर कुछ भी फैला सकती है। प्रदेश में वह बनाम राजनीति का उद्भव तो ढूंढ चुकी है, लिहाजा उपमाएं बदलेंगी और सरोकार भी रक्षा कवच पहनेंगे। जो भी हो हिमाचल में अब सवाल कंगना बनाम विक्रमादित्य सिंह तक ही नहीं। बागी कांग्रेसी बनाम कांग्रेस, राजनीतिक गोटियां बनाम हकीकत, दोस्त बनाम कार्यकर्ता, पूर्व मुख्यमंत्री बनाम वर्तमान, डबल इंजन बनाम व्यवस्था परिवर्तन और इसी तरह उम्मीदवारों के चयन में कहीं गद्दी बनाम चौधरी, पंडित बनाम राजपूत और दलित बनात कबायली भी होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस क्या ओपीएस, रोजगार, निवेश, केंद्र संबंधों, हिमाचली अधिकारों, और सवा साल की सत्ता के बनाम भाजपा के खोट कुशलता से रख पाएगी। जनता के लिए बहस को पटरी पर लाने की चुनौती दोनों पार्टियों की रहेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

नवी मुंबई में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू...

नवी मुंबई: नवी मुंबई यातायात विभाग ने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से रिक्शा चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस ने एक ही दिन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 138 रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इससे अनुशासनहीन रिक्शा चालकों में हड़कंप मच गया है।

ट्रैफिक विभाग की नजर में नवी मुंबई इलाके में कुछ ऐसे रिक्शा चालक सामने आए हैं जो ट्रैफिक नियमों का पालन किए बिना गैरजिम्मेदारी से रिक्शा चला रहे हैं। साथ ही कई यात्रियों ने बेलगाम रिक्शा चालक के खिलाफ शिकायत की थी. इसलिए नवी मुंबई परिवहन विभाग ने बेलगाम रिक्शा चालकों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस विशेष अभियान के दौरान बुधवार को नवी मुंबई ट्रैफिक पुलिस की 16 शाखाओं ने अपनी-अपनी सीमा में 138 उपद्रवी रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है. नवी मुंबई यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त तिरूपति काकड़े ने बताया कि रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

रिक्शा किराया देने से इंकार करने वालों से सावधान रहें!

कोपरखैरणे, घनसोली में कुछ रिक्शा चालक नियमों का उल्लंघन करते पाए गए हैं. इसलिए कोपरखैरणे यातायात शाखा के प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक विश्वास भिंगार्डिव और उनके प्रवर्तकों ने दो दिनों तक विशेष अभियान चलाया और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 80 से अधिक रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की. मुख्य रूप से यात्री किराया लेने से इनकार करने वाले 17 रिक्शा चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

ईडी कारवाई के विरोध मे उतरे शिवसेना सांसद गजानन किर्तिकर

कहा बंद करे, बीजेपी जनता मे छवि हो रही धूमिल...

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना सांसद गजानन किर्तिकर उत्तर पश्चिम सीट से विपक्षीय पार्टी महाविकास आघाडी से उम्मीदवार अपने पुत्र अमोल किर्तिकर पर हाल ही मे ई डी की कारवाई से खासी नाराजगी दिखाई। कहा बीजेपी के पास बहुमत है। बावजूद ईडी की ऐसी कारवाई से बीजेपी की जनता की बीच छवि धूमिल होती जा रही है। गौरतलब हो की शिवसेना के विभाजन से पूर्व गजानन कीर्तिकर उत्तर पूर्व से चुनावों जीतकर सांसद बने थे। जिसपर गजानन कीर्तिकर एकनाथ शिंदे के साथ चले गये। वहीं अमोल कीर्तिकर उद्धव गुट मे ही रहे। परिणाम स्वरूप अमोल कीर्ति कर की पार्टी को लेकर निष्ठा देकर उत्तर पश्चिम सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाया है।

वहीं अमोल कीर्तिकर का नाम घोषित होते ही उत्तर पश्चिम सीट से लड़ने की हसरत लिए गजानन कीर्तिकर का टिकट का पत्ता कट गया है। जबकी गजानन कीर्तिकर ने महायुति को आश्वस्त किया है की उत्तर पश्चिम मे। उम्मीदवार कोई भी होगा उसका प्रचार करेंगे। वहीं गजानन कीर्तिकर के ई डी के विरोध मे बयान आने से राजनीतिक भूचाल आगया है। अंधेरी के बीजेपी विधायक ने कटाक्ष करते हुए गजानन कीर्ति कर कर कहा की शरीर भले ही एकनाथ शिंदे गुट मे है परंतु आत्मा पुरी तरह से गजानन कीर्तिकर की पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तरफ है। अमित साटाम का सोशल मीडिया मे वायरल टिपाण्णि की डर भ्रस्टाचा रियों को लगाना चाहिये। अमोल कीर्ति कर ने जब कुछ किया नही तो डर काहे का। लेकिन खिचड़ी ठेकेदार द्वारा अमोल कीर्ति कर के एकाउंट मे 96 लाख रुपए क्यों भेजा इसका जवाब देना चाहिये। वहीं अमित साटाम ल्ली कहा की भ्रस्टाचारियों की खैर नहीं कारवाई तो होगी ही।

बांद्रा के बीकेसी में बहुमंजिला इमारत में भीषण आग...

मुंबई: मुंबई के बांद्रा ईस्ट में एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लग गई. बीकेसी की एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी। जिस स्थान पर इमारत में आग लगी, वहां से धुएं का गहरा गुबार निकलता देखा गया। फैमिली कोर्ट के पास आवास वेतन और लेखा विभाग की इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ियां हरकत में आ गई हैं और आग पर काबू पाने के लिए काम जारी है। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

डीजल समेत दो लाख का सामान चोरी

भिवंडी : दो अलग-अलग घटनाओं में मोटर चोरी के साथ फैक्ट्री से डीजल चोरी का मामला सामने आया है. इस संबंध में दो थाने में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मुंबई स्थित फैक्ट्री मालिक जयेश गुथका की भिवंडी के फैजान कंपाउंड में अभिलाषा होटल में वॉरपिंग फैक्ट्री है। इस फैक्ट्री में उन्होंने 2 लाख 11 हजार 400 रुपए कीमत की एक मोटर और 43 डिब्बे कार्टन रखे थे। सामान 4 अप्रैल से 9 अप्रैल के बीच अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। इस मामले में चोर के खिलाफ भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. दूसरी घटना में 11 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे सुरेश राठौड़ ने अपना कंटेनर दापोड़ा रोड पर गुप्ता कंपाउंड की बिल्डिंग के नीचे खड़ा किया था. इस कंटेनर में 18 हजार 40 रुपए का डीजल चोरी हो गया है। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

चुनाव के दौरान सभी चेक पोस्ट पर नाकाबंदी

रायगढ़ : चुनाव प्रचार के दौरान अक्सर विवाद सामने आते रहते हैं. हथियारों का परिवहन, शराब का परिवहन, वोटों के बदले भुगतान के लिए नकदी का परिवहन। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक रायगढ़ पुलिस ने इन गड़बड़ियों पर लगाम कसने के लिए 10 चेकपोस्ट पर कड़ी सुरक्षा शुरू कर दी है. चेक पोस्ट से गुजरने वाले हर संदिग्ध वाहन की जांच करने का निर्देश दिया गया है. इसके लिए 10 पुलिस पदाधिकारी और 30 प्रवर्तक नियुक्त किये गये हैं. रायगढ़ जिले से आने-जाने वाले वाहनों को इनमें से किसी एक चेकपोस्ट से होकर गुजरना होगा, ये चेकपोस्ट बनाए गए हैं और आने-जाने वाले वाहनों पर पुलिसकर्मी और सीसीटीवी की नजर रहेगी। रायगढ़

पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे के मार्गदर्शन में इसकी पूरी योजना बनाई गई है। इस पर अमल शुरू हो गया है और दिन-रात सुरक्षा व्यवस्था कायम रहेगी. चुनाव के लिए आवेदन दाखिल होने शुरू हो गए हैं और 22 अप्रैल के बाद मुकाबले की तस्वीर साफ हो जाएगी, जिसके बाद प्रचार अभियान वाकई रफ्तार पकड़ लेगा. पार्टी नेता, कार्यकर्ता देर रात तक क्षेत्र में काम करते रहेंगे. अगर शराब, हथियार, नकदी का अवैध परिवहन होता है तो उनके खिलाफ चुनाव आयोग द्वारा मामला दर्ज करने की प्रक्रिया होगी.

शिकार का पीछा करते हुए कुएं में गिरा बाघ...

वन विभाग ने ऐसे बचाई जान

मुंबई: गांव का एक चरवाहा कुएं के पास अपनी बकरियां चरा रहा था. तभी उसे बाघ की दहाड़ सुनाई दी. उसने कुएं में झांककर देखा, तो उसे एक बाघ दिखाई दिया. चरवाहे ने तुरंत गांव में आकर यह सूचना दी. ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को इसकी जानकारी दी. इसके बाद टीम ने रस्सी के सहारे लकड़ी का पटरा डालकर बाघ को बाहर निकाला. महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के नागभीड तहसील के कोदेपार गांव में शिकार का पीछा करते समय एक बाघ कुएं में गिर गया. बाघ की दहाड़ सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे. उन्होंने बाघ की जान बचाने के लिए तत्काल वन विभाग को सूचना दी. इसके बाद विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई. रेस्क्यू ऑपरेशन चलकर बाघ को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला. कुएं से निकलते ही बाघ जंगल की ओर दौड़ पड़ा. नागभीड़ से पांच-छह किमी दूर कोदेपार गांव जंगल से घिरा हुआ है. इस जंगल में बाघ और तेंदुआ सहित अन्य वन्यजीव बड़ी मात्रा में हैं. एक बाघ शिकार की तलाश में कोडेपार गांव के खेतों में घुस गया था. बताया जा रहा है कि बाघ शिकार का पीछा करते समय एक कुएं में गिर गया.

लोकसभा प्रत्याशी अमोल कीर्तिकर से ईडी ने 8 घंटे की पूछताछ

मुंबई: शिवसेना के लोकसभा सांसद गजानन कीर्तिकर ने शुक्रवार को दावा किया कि नरेंद्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना निश्चित है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के साथ प्रयोग बंद होने चाहिए. सांसद गजानन कीर्तिकर ने आगे कहा कि उनके बेटा अमोल कीर्तिकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) का हिस्सा हैं और आगामी लोकसभा चुनाव भी लड़ रहा है. उसे कथित रूप से 'खिचड़ी' घोटाले में ईडी द्वारा परेशान किया जा रहा है.

सांसद गजानन कीर्तिकर ने आगे कहा कि उनके बेटे अमोल कीर्तिकर उस आपूर्ति श्रृंखला में शामिल था जिसने कोविड महामारी के दौरान गरीब लोगों को खिचड़ी उपलब्ध कराई थी. जिस संजय माशेलकर को ठेका मिला वे शिवसेना सचिव थे. उन्होंने कहा, अमोल और सूरज चव्हाण (जिन्हें मामले में गिरफ्तार किया गया था) व्यवसाय में भागीदार नहीं हैं, बल्कि केवल माशेलकर की मदद कर रहे थे. यह एक व्यवसाय था इसलिए मुनाफा अमोल के साथ चेक द्वारा साझा किया गया था और उन्होंने इसके लिए आयकर भी चुकाया है. यह कोई अपराध नहीं है. कीर्तिकर ने दावा किया कि अभूतपूर्व महामारी की स्थिति के दौरान, तत्काल निर्णय लेने और विक्रेताओं की आवश्यकता थी. जांच पूरी होने के बावजूद ईडी अमोल को परेशान कर रहा है. ईडी के ये प्रयोग बंद होने चाहिए.

पीएम मोदी फिर होगी जीत

इसके साथ ही सांसद गजानन कीर्तिकर ने दावा किया कि पीएम मोदी अपने काम के आधार पर फिर जीत दर्ज करेंगे. उन्होंने कहा कि वे सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार के लिए काम करेंगे. कीर्तिकर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'अबकी बार, 400 पार' के नारे में अहंकार की बू नहीं आनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की आरपीआई (ए) जैसे एनडीए सहयोगियों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी जरूरी है. उन्होंने कहा कि विपक्ष के बिना संसद भी कैसे चल सकती है.

गजानन कीर्तिकर की टिप्पणी पर सहमत नहीं बीजेपी

वहीं सांसद गजानन कीर्तिकर की ईडी पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी मुंबई प्रमुख आशीष शेलार ने कहा कि वे उनकी टिप्पणियों से सहमत नहीं हैं. उन्होंने कहा कि कीर्तिकर को सार्वजनिक होने के बजाय अपनी पार्टी के मंच पर मुद्दे उठाने चाहिए. कीर्तिकर ने जो कहा वह उनकी निजी राय है. आशीष शेलार ने कहा कि अगर उन्हें लगता है ईडी की कार्रवाई गलत है, तो उन्हें अदालत का रुख करना चाहिए. बता दें कि सोमवार को ईडी ने कथित खिचड़ी घोटाले के सिलसिले में अमोल कीर्तिकर से 8 घंटे तक पूछताछ की थी. यह मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध की एक एफआईआर से जुड़ा है.

उद्धव ठाकरे ने एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी साधा निशाना

मुंबई: शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पालघर के भोइसर में एक सभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं बहुत दिनों बाद पालघर आया हूं. जिस विषय को 95 में शिव सेना प्रमुख (बाला साहेब) ने खत्म कर दिया, उसे फिर से जीवित किसने किया? जान चली जाए तो भी चलेगा, लेकिन एक्सटेंशन पोर्ट पालघर में नहीं चाहिए.

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा, ''एक्सटेंशन पोर्ट रद्द कर दिया गया है. अब फिर किसी ने हवा भर दी. अगर

आप जनता को विश्वास में लिए बिना कोई प्रोजेक्ट पालघर में लागू करने जा रहे हैं तो उसे लागू करें. जनता का बुलडोजर तुम्हारी सरकार पर चलाकर रहेंगे. रामायण कहती है कि रावण विद्वान था. लेकिन आपका स्थापित रावण विद्वान नहीं हैं. बस अहंकारी है. ठाकरे ने कहा भूल कमल का फूल. एक महंगी गलती थी.''

उद्धव ठाकरे का पीएम मोदी-शाह पर निशाना

उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा, ''तुमने मेरी पार्टी चुरा ली, मेरा चुनाव चिन्ह चुरा लिया, अब मेरे पिता को चुरा लो. महाराष्ट्र से आपका क्या रिश्ता है? क्या नकली शिव सेना कहना आपकी डिग्री है? ये भाड़े की जनता पार्टी है. सीबीआई, ईडी ने देशद्रोहियों का भंडाफोड़ किया था. पालघर से ही उन्हें सूरत ले जाया गया.'' उन्होंने आगे कहा, ''लाल झंडे कब तक भगवा के साथ है. हमने गलती की. तब हमने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए अभियान चलाया था. आपके पास असली बीजेपी कितनी है? सभी फर्जी हैं. मुझे बताएं कि आपने दस साल में क्या किया है, मैं आपको बताऊंगा कि मैंने ढाई साल में क्या किया है.

भायंदर में साढ़े चार लाख की हेरोइन जब्त... पुलिस की बड़ी कार्रवाई!

भायंदर: भायंदर पश्चिम के भोलानगर इलाके में पुलिस ने साढ़े चार लाख रुपये की हेरोइन जब्त की है. इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है. भायंदर पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन टीम को गश्त के दौरान भोला नगर इलाके में एक रिक्शा में गौतम रमेशचंद्र गुप्ता और सचिन उर्फ बटला राधेश्याम गुप्ता को संदिग्ध हालत में देखा गया. पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास बिक्री के लिए लाया गया 18 ग्राम (ठोस) हेरोइन पाउडर बरामद हुआ। इसकी कीमत साढ़े चार लाख रुपये है. भयंदर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक सूर्यकांत नाइकवाडी ने बताया कि दोनों के खिलाफ मादक द्रव्य विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उरण-पनवेल रोड के चौड़ीकरण का प्रस्ताव, नवघर फाटा से बोकाडवीरा पुलिस चौकी तक चार लेन की सड़क

उरण: उरण-पनवेल राज्य राजमार्ग, जो तालुका की एक प्रमुख सड़क है, को सिडको के माध्यम से चौड़ा किया जाएगा। सिडको ने बताया है कि इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है. उरण में बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण जनसंख्या और वाहनों में भी कई गुना वृद्धि हुई है। इसके चलते इस सड़क पर दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं। इसलिए जूना नवघर फाटा और उरण के कोटनाका के बीच सड़क के चौड़ीकरण की मांग की गई थी। लोक निर्माण विभाग ने कुछ महीने पहले नवघर फाटा से बोकाडवीरा पुलिस

चौकी तक की चार से साढ़े चार किलोमीटर लंबी सड़क सिडको को सौंप दी है। इसे चौड़ा किया जाएगा.

हालांकि, नागरिक पूछ रहे हैं कि उरण शहर में बोकादविरा पुलिस चौकी से कोटनाका तक एक से डेढ़ किलोमीटर सड़क का क्या होगा, क्या इस सड़क का चौड़ीकरण भी किया जाएगा. कुछ दिन पहले, सिडको की अनधिकृत निर्माण विरोधी टीम ने बोकादवीरा पुलिस चौकी और कोटनाका के बीच सड़क के किनारे अनधिकृत दुकानों और व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई की थी। तो ये रास्ता साफ हो गया है. इसलिए मांग की गई है कि पूरी सड़क को चौड़ा किया जाए.

क्या कंडलवन में बाधा आएगी?

उरण-पनवेल मार्ग पर बोकाडवीरा स्थित वायु विद्युत केंद्र वर्कर कॉलोनी से फंडे कॉलेज तक सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में कंडल वन के पेड़ हैं। इससे सड़क चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न होने की आशंका है.

एनजीओ के माध्यम से ठाणे में झीलों का संरक्षण

ठाणे: झीलों की नगरी के नाम से मशहूर ठाणे शहर में झीलों के संरक्षण का काम ठाणे नगर निगम ने एक एनजीओ के माध्यम से शुरू किया है. ठाणे सेंट्रल जेल में झील का संरक्षण पिछले कुछ दिनों से चल रहा है। इस झील में पक्षियों के लिए 'बर्ल्ड लैंड' बनाना, झील की गहराई बढ़ाना, प्रदूषित पानी को निकालना जैसे काम किए जा रहे हैं। इस झील के पूरा होने के बाद छह से सात झीलें और संरक्षित हो सकेंगी। ठाणे शहर को झीलों का शहर कहा जाता है। झील के संरक्षण का निर्णय तत्कालीन झील संरक्षण आयुक्त अभिजीत बांगर के निर्देश पर लिया गया था। तदनुसार, एक गैर सरकारी संगठन ग्रीन यात्रा के माध्यम से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड के माध्यम से झील का संरक्षण किया जा रहा है। पहली

परियोजना के रूप में, संगठन ने ठाणे सेंट्रल जेल में एक तालाब के निर्माण का कार्य किया है। कई लोग इस झील में निर्माल्य फेंक रहे थे। कूड़ा भी डाला जा रहा था। झील का पानी भी प्रदूषित हो गया था। इससे झील क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही थी। इस क्षेत्र से कई वाहन गुजरते हैं। इससे वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही थी. झील में भारी गाद भी थी। इससे झील की गहराई कम हो गई। झील केवल 10 फीट गहरी थी. प्रदूषित जल के कारण जलीय जीवन भी प्रभावित होने की आशंका थी।

पिछले कुछ दिनों से ग्रीन यात्रा संस्था ने नगर निगम के सहयोग से यहां झील के संरक्षण का काम उठाया है। फिलहाल इस झील से गाद निकालने का काम चल रहा है. जलीय जीवन को किसी भी खतरे से बचाने के लिए झील में दो फुट की खाई बनाई गई है।

इस पानी से भरे गड्ढे में तालाब के जलीय जंतुओं को रखा जाता है। इस झील की गहराई बढ़ाने के लिए झील से गाद निकालने का काम चल रहा है. झील करीब 25 फीट गहरी बनाई जानी है। साथ ही इस झील में पक्षियों के लिए एक छोटी सी 'बर्ल्ड लैंड' भी बनाई जा रही है। झील के पानी को साफ रखने के लिए फ्लोटिंग वेटलैंड रखा जाएगा। इस झील का रखरखाव और मरम्मत दो साल तक ग्रीन यात्रा के माध्यम से किया जाएगा। ग्रीन यात्रा के प्रोजेक्ट मैनेजर भावेश जोगड़िया ने कहा, इसके बाद झील को ठाणे नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

मकोका के दोषियों को 2006 की छूट नीति से बाहर नहीं किया जा सकता - बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबईः महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दोषियों को 2006 की छूट नीति का लाभ उठाने से बाहर नहीं किया जा सकता है, अगर वे इसके हकदार हैं, तो अंडरवर्ल्ड डॉन की याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने कहा। राजनेता अरुण गवली जेल से जल्द रिहाई की मांग कर रहे हैं। अदालत ने माना है कि गवली छूट नीति के लाभों का ''हकदार'' है और इसलिए अधिकारियों को उस संबंध में ''परिणामी आदेश पारित करने'' का निर्देश दिया है।

''हम मानते हैं कि याचिकाकर्ता (गवली) 10.01.2006 की छूट नीति से मिलने वाले लाभों का हकदार है, जो उसकी सजा की तारीख पर प्रचलित थी। हम यह भी मानते हैं कि एजुस्डेम जेनेरिस [उसी तरह] के नियम को लागू करके, एमसीओसी अधिनियम के दोषियों को उक्त नीति का लाभ उठाने से बाहर नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, रिट याचिका की अनुमति दी जाती है, ''जस्टिस विनय जोशी और वृषाली जोशी की पीठ ने कहा। गवली को मकोका के तहत दोषी ठहराया गया था

इसके बाद अदालत ने संबंधित प्राधिकारी को आदेश अपलोड करने की तारीख से चार सप्ताह की अवधि के भीतर उस संबंध में परिणामी आदेश पारित करने का निर्देश दिया। गवली को मकोका के तहत दोषी ठहराया गया था और 31 अगस्त 2012 को शिवसेना नेता कमलाकर जामसंदेकर की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वह पहले ही 14 साल जेल में बिता चुके हैं। 65 वर्षीय बुजुर्ग को मेडिकल बोर्ड ने कमजोर प्रमाणित किया था। राज्य सरकार ने अच्छे व्यवहार और सलाखों के पीछे बिताए वर्षों की संख्या सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर दोषियों की समय से पहले या शीघ्र रिहाई के लिए नीतियां बनाईं। इन नीतियों को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। 2006 में, छूट नीति को संशोधित किया गया था, जिसमें उन आजीवन कारावास के दोषियों की शीघ्र रिहाई का प्रावधान था, जिन्होंने 14 साल की वास्तविक कारावास की सजा काट ली है, 65 वर्ष की आयु तक पहुंच गए हैं और शारीरिक रूप से कमजोर हैं। हालाँकि, नीति निर्दिष्ट करती है कि यह एमपीडीए, टीएडीए, एनडीपीएस आदि जैसे सामाजिक अधिनियमों के तहत दोषी ठहराए गए लोगों पर लागू नहीं होगी।

2015 में नीति में संशोधन किया गया

2015 में, मकोका के तहत दोषियों पर इसके आवेदन को बाहर करने के लिए नीति में संशोधन किया गया था। जब गवली ने जेल में 14 साल पूरे कर लिए और 65 साल का हो गया, तो उसने सजा में छूट के लिए आवेदन किया, लेकिन अधिकारियों ने 2015 की नीति के तहत इसे खारिज कर दिया। गवली ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी. गवली के वकील एमएन अली ने तर्क दिया कि गवली को 2012 में दोषी ठहराया गया था, 2006 की नीति प्रभावी थी, इसलिए उसकी शीघ्र सजा को खारिज करने के लिए संशोधित 2015 की नीति लागू नहीं की जा सकती। 2015 में नीति में संशोधन किया गया 2015 में, मकोका के तहत दोषियों पर इसके आवेदन को बाहर करने के लिए नीति में संशोधन किया गया था। जब गवली ने जेल में 14 साल पूरे कर लिए और 65 साल का हो गया, तो उसने सजा में छूट के लिए आवेदन किया, लेकिन अधिकारियों ने 2015 की नीति के तहत इसे खारिज कर दिया। गवली ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी. गवली के वकील एमएन अली ने तर्क दिया कि गवली को 2012 में दोषी ठहराया गया था, 2006 की नीति प्रभावी थी, इसलिए उसकी शीघ्र सजा को खारिज करने के लिए संशोधित 2015 की नीति लागू नहीं की जा सकती।

एमबीवीवी पुलिस ने 4 .5 लाख की कोकीन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया

मीरा-भयंदरः भयंदर पुलिस से जुड़ी अपराध जांच इकाई ने शुक्रवार को दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास 4.50 लाख रुपये से अधिक की हेरोइन पाई गई। एक गश्ती दल ने भयंदर (पश्चिम) में भोला नगर के पास एक ऑटो-रिक्शा को संदिग्ध तरीके से घूमते हुए देखा, जिसमें चालक सहित दो लोग सवार थे। पुलिस ने वाहन को रोका और उसमें सवार लोगों से पूछताछ की, जिनकी पहचान गौतम रमेशचंद्र गुप्ता (30) और सचिन राधेश्याम गुप्ता उर्फ बाटला (23) से हुई, जो संतोषजनक उत्तर देने में विफल रहे। तलाशी लेने पर गौतम के पास 4.50 लाख रुपये से अधिक कीमत की 18 ग्राम हेरोइन पाई गई।

पुलिस ने नशीली दवाएं जब्त कीं जबकि पुलिस ने हेरोइन जब्त कर ली और ऑटो-रिक्शा को जब्त कर लिया, दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों को हिरासत में भेज दिया गया है और स्त्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है। हेरोइन और संभावित खरीदारों के बारे में। मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने आगामी लोकसभा चुनावों के कारण क्षेत्र में अवैधताओं और असामाजिक तत्वों को खत्म करने के लिए गश्त तेज कर दी है।

अंधेरी के गोखले ब्रिज और बर्फीवाला फ्लाईओवर को मिलाने की योजना बनाई बीएमसी ने बिना टेंडर जारी किए

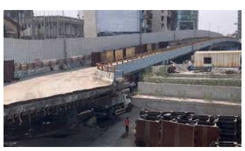

मुंबईः बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) 4 जून तक लोकसभा चुनाव के लिए चल रहे आदर्श आचार संहिता द्वारा लगाए गए प्रक्रियात्मक बाधाओं को दरकिनार करते हुए गोखले पुल को अंधेरी में सीडी बर्फीवाला फ्लाईओवर के साथ विलय करने के लिए एक रणनीतिक समाधान तैयार कर रहा है। . निविदा बोलियों की आवश्यकता को दूर करने के लिए, बीएमसी गोखले पुल के निर्माण में शामिल मौजूदा ठेकेदार के माध्यम से वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (वीजेटीआई) द्वारा अनुशंसित पांच ठेकेदारों में से एक को शामिल करने का इरादा रखती है। इससे पहले, वीजेटीआई और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे को दो संरचनाओं के विलय की व्यवहार्यता का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था, जिनकी ऊंचाई में 2.8 मीटर की असमानता थी। 19 मार्च को अपनी अंतरिम रिपोर्ट में, वीजेटीआई ने विलय के लिए चार अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव रखा और इस कार्य के लिए पांच विशेष एजेंसियों का सुझाव दिया। आदर्श आचार संहिता द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को देखते हुए, बीएमसी अधिकारियों ने औपचारिक निविदा जारी किए बिना एक ठेकेदार को शामिल करने की आवश्यकता को स्वीकार किया। सिविक प्रमुख भूषण गगरानी ने गोखले पुल के निर्माण के लिए जिम्मेदार मौजूदा ठेकेदार के माध्यम से अनुशंसित ठेकेदारों में से एक को शामिल करने का निर्देश दिया, जिसका आंशिक उद्घाटन 26 फरवरी को हुआ था। इसके अलावा, गगरानी ने बर्फीवाला फ्लाईओवर के उत्तर की ओर वाले हिस्से को गोखले के साथ विलय करने का समर्थन किया है। अंतरिम उपाय के रूप में पुल।

मौजूदा ठेकेदार, फ्रीसिनेट प्रेस्ट्रेस्ड कंक्रीट और एसएमएस इंफ्रा, सभी पांच अनुशंसित एजेंसियों से विलय के लिए कोटेशन मांगेंगे। चयनित ठेकेदार और अंतिम शर्तों पर निर्णय एक सप्ताह के भीतर होने की उम्मीद है। विलय परियोजना को क्रियान्वित करने की अनुमानित समयसीमा तीन महीने है। इस बीच, गोखले पुल के उत्तरी हिस्से के लिए अंबाला की एक वर्कशॉप से मुंबई तक गर्डर ले जाने की तैयारी चल रही है।

बीएमसी ने 'स्वच्छ आंगन' पहल के तहत प्रदूषण फैलाने वालों पर 1 करोड़ से अधिक का जुमार्ना लगाया

मुंबई : पिछले पांच महीनों में, बीएमसी ने प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई की है, 3,498 नोटिस भेजे हैं और 1 करोड़ रुपये से अधिक का जुमार्ना लगाया है। 4 नवंबर, 2023 से 3 अप्रैल तक, यह कार्रवाई 'स्वच्छ आंगन' (स्वच्छ परिसर) पहल के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य सड़कों पर कचरा जलाने और निर्माण और विध्वंस के मलबे को फेंकने से रोकना है। पिछले साल शहर की हवा की गुणवत्ता में गिरावट के बाद, बीएमसी ने स्वच्छता और स्वच्छता उपनियम, 2006 का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी। नियमों के अनुसार, परिसर के मालिक या किरायेदार, उल्लंघन करने वालों पर सीमा के भीतर जुमार्ना लगाया गया है।

1,000 रुपये से 10,000 रुपये तक.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीएमसी ने पिछले पांच महीनों में 'स्वच्छ आंगन' पहल के तहत 2,282 डिफॉल्टरों पर जुमार्ना लगाया और 55.92 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला इसी तरह, दूसरी सबसे बड़ी संख्या में शिकायतें सड़कों पर निर्माण और विध्वंस मलबे के अवैध डंपिंग के खिलाफ थीं। इस अवधि के दौरान नागरिक निकाय ने 715 मामलों में 42.54 लाख रुपये एकत्र किए हैं। ''बीएमसी के पास नाममात्र शुल्क पर 300 मीट्रिक टन तक के निर्माण कचरे को उठाने और निपटाने के लिए मलबे की ऑन-कॉल सेवा है। फिर भी निगम वार्डों में सड़कों पर मलबा डालने के कई मामले दर्ज किये गये. ऐसी घटनाओं को रोकना एक चुनौती रही है क्योंकि मलबा ज्यादातर रात में सार्वजनिक स्थानों पर फेंका जाता है, ''एक नागरिक अधिकारी ने कहा। बीएमसी ने निर्माण और विध्वंस सामग्री ले जाने वाले डंपरों को तिरपाल से नहीं ढकने और कचरा जलाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। वायु प्रदूषण से संबंधित अधिकतम मामले वार्डों - एच वेस्ट (बांद्रा पश्चिम से सांताक्रूज पश्चिम) और एच ईस्ट (खार पूर्व से बांद्रा पूर्व) में दर्ज किए गए हैं।

मुंबई / पुलिसकर्मी का हत्यारा गिरफ्तार

मुंबई : एक 23 वर्षीय युवक ने ट्रेन में चोरी हुए मोबाइल फोन को तुरंत ढूंढने के लिए शिवडी के रफी अहमद किदवई (आरएके) मार्ग पुलिस स्टेशन में हंगामा किया। इस बार उसने एक पुलिस कांस्टेबल की नाक पर मुक्का मारकर उसे घायल कर दिया. उसने टेबल पर अपना सिर भी मारा और पुलिस में केस में फंसाने की धमकी भी दी. इस मामले में पुलिस ने आरोपी को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, एक पुलिसकर्मी को घायल करने की धारा के तहत गिरफ्तार कर लिया. आरोपी की पहचान जंजेब सलीम खान (23) के रूप में हुई है और वह शिवडी क्रॉस रोड का रहने वाला है। खान की गोली लगने से पुलिस कांस्टेबल स्वप्निल कातुरे (32) की नाक टूट गई। मेज पर सिर टकराने से खान भी घायल हो गये. दोनों को पराल के केईएम अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया.

शराब के नशे में बहन से दुष्कर्म करने वाले दोस्त की हत्या

पिंपरीः चिंचवड़ में एक अनोखा हत्या का मामला सामने आया. जिससे पुलिस भी हैरान रह गई. जिस घटना को पहले आत्महत्या समझा जा रहा था वह अचानक हत्या में बदल गई. हाल ही में शहर के वाकड इलाके में बहन से दुष्कर्म करने वाले दोस्त की हत्या की घटना सामने आई थी. इस घटना में आरोपी लोकेंद्र किशोर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है. मारे गये युवक का नाम निकेत कुणाल है. उसने अपनी शराबी प्रेमिका का फायदा उठाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़ित लड़की ने इसकी जानकारी मनन के भाई लोकेंद्र को दी. लोकेंद्र और निकेत कुणाल के बीच जमकर मारपीट हुई। नाइकी में लोकेंद्र ने किसी को ईंट से पीटा। उसका सिर दीवार से टकराया. पुलिस के मुताबिक, आरोपी लोकेंद्र किशोर सिंह, मारे गए निकेत कुणाल और पीड़ित लड़की सभी परिचित और दोस्त हैं. आरोपी लोकेंद्र पहले भी निकेत कुणाल और पीड़ित लड़की के साथ काम करता था. हालांकि फिलहाल निकेत कुणाल और पीड़िता तरूणी एक कंपनी में काम करते थे. चूंकि 3 अप्रैल को कंपनी की पार्टी थी तो कोई और पीड़िता एक साथ इकट्ठा हुए थे. उस पार्टी में दोनों ने शराब पी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com